हिन्दुस्तान
1936
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
14 अगस्त 2023, श्रावण (अधिक) कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2080, बरेली

PAGE NO 4 : BOTTOM

धूप-हवा से एक साथ बनेगी बिजली, घर पर भी कर सकेंगे उपयोग

विशेष

■ आशीष दीक्षित

बरेली। एसआरएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष पांडे ने 'सोलर एंड विंड हाइब्रिड एनर्जी जेनरेशन एंप्रेट्स' का डिजाइन तैयार किया है। इसके जरिये धूप और हवा का एक साथ प्रयोग कर ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है। यह दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, तटीय इलाकों में बिजली की कमी को पूरा कर सकेगा। डॉ. पांडे की डिजाइन को पेटेंट भी मिल गया है।

बेसिक साइंस डिपार्टमेंट में फिजिक्स के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आशुतोष पांडे पिछले दो वर्षों से सोलर और विंड एनर्जी पर काम कर रहे हैं। दरअसल सोलर और विंड हाइब्रिड एनर्जी जेनरेशन एक ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया है जिसमें सौर ऊर्जा और हवा ऊर्जा का संयुक्त उपयोग किया जाता है। इस तकनीक में सोलर पैनल और विंड टरबाइन का एक साथ इस्तेमाल होता है। इस कारण समय-समय पर विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा का उत्पादन हो सकता है। दो स्रोत के कारण ऊर्जा के उत्पादन को स्थिर रखने में मदद मिलती है। इससे स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ता है जो कि पर्यावरण के लिए बेहद लाभकारी है।

पहाड़ों पर बिजली संकट करेगा कम

सबसे बड़ी बात यह है कि इसको घरों के साथ-साथ छोटी इकाइयों में भी लगाया जा सकता है। खराब इलेक्ट्रिकल नेटवर्क वाले दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र, ग्रामीण इलाकों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में यह डिवाइस बिजली संकट को काफी हद तक कम कर सकेगी। डॉ पांडे और उनकी चार सदस्यीय टीम इसको अब और अपग्रेड करने में जुटे हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद और अपने गुरु प्रोफेसर आशीष कुमार सक्सेना को दिया।

हाइब्रिड एनर्जी जेनरेशन एंप्रेट्स की डिजाइन तैयार की है। इसे पेटेंट प्राप्त हुआ है।

अभी बड़े उद्योगों में हो रहा तकनीक का प्रयोग

यह तकनीक अभी तक चुनिंदा बड़ी औद्योगिक इकाइयों में इस्तेमाल हो रही हैं मगर उनके डिजाइन बेहद काम्प्लेक्स हैं। पूरा सिस्टम बहुत ज्यादा महंगा है। डॉ आशुतोष ने जो डिजाइन तैयार किया है वह न केवल चलाने में बेहद आसान है बल्कि उसका खर्च भी कम है।

एसआरएमएस में सहायक प्रोफेसर डॉ. आशुतोष ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद को दिया।

सरकार ने जारी किया पेटेंट प्रमाण

डॉ.पांडे की डिजाइन को केंद्र सरकार के पेटेंट कार्यालय ने प्रमाण पत्र जारी किया है। पिछले वर्ष अक्टूबर में उनके शोध ह्यस्मार्टर एंड ग्रीन एनर्जी जेनरेशन सिस्टम यूजिंग फोटोवॉल्टिक इन मशीन लर्निंग एप्रोचह्व तकनीक को केंद्र सरकार के पेटेंट ऑफिस जनरल ने पब्लिश किया था। हाल में ही उनके रिसर्च पेपर को स्कोपस इंडेक्सिस जर्नल आईईईए ने भी पब्लिश किया है।